

गांधी रत्नांडी
राजिया
उत्तरायण शासन।

सेवा में

निदेशक
सैनिक कल्याण एवं पुनर्वासा
उत्तरायण, देहरादून।

समाज कल्याण अनुभाग-३

विषय : बालू वित्तीय वर्ष 2006-07 के आय-व्ययक में समाज कल्याण विभाग से सम्बन्धित अनुदान संख्या-15 के आयोजनेतार पद की मदों में प्राविधिक धनराशि की वित्तीय महोदय।

उपरोक्त विषयक शासनादेश संख्या- ५८/XVII (1)-३/०६-०९(२५)/२००६ दिनांक ०७ नई 2006 के क्रम में मुझे यह कहने का निर्देश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2006-07 के आय-व्ययक में समाज कल्याण विभाग से सम्बन्धित अनुदान संख्या-15 के आयोजनेतार पद की मदों में प्राविधिक धनराशियों को संलग्नक के आसार रु 300 हजार (रुपये तीन लाख) को वित्तीय वर्ष 2006-07 में निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिक्रिया के अधीन व्यय करने की श्री राज्यपाल गहोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं—

1. अनुदान के अन्तर्गत होने वाले सम्बन्धित व्यय यी फोरिंग (बैमास के आधार पर) अनिवार्य रूप से शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाय, जिससे शाज्य रत्न गर्मीशाली विधिविरत किये जाने में निर्मी प्रकार की व्यतिनाई न उत्पन्न हो।
2. आय व्यय द्वारा व्यापरिक उक्त धनराशि में से केवल स्वीकृत बालू योजनाओं पर ही व्यय किया जाय और निर्मी भी दशा में उक्त धनराशि को उपयोग नहीं करती ही कार्यान्वयन के लिए नहीं किया जाय।
3. उक्त आवेदिता धनराशि निर्मी ऐसी मह पर व्यय करने से पूर्ण वित्तीय हस्तापुरितका वज्रट ऐसा व्यय अपेक्षित स्वीकृति प्राप्त करको ही किया जाय।
4. यह व्यापिकता रूप से सुनिश्चित कर ले कि आवरणकतानुसार आमिता धनराशि के प्रत्येक विल में यह यह वेतन आदि के सम्बन्ध में ही अथवा आकर्षित व्यय के सम्बन्ध, राम्युणी मुख्य/लघु/उप तथा विस्तृत शीर्षों को अंकित किया जाय और प्रत्येक विल में दाहिनी ओर लाल स्त्राही से "अनुदान संख्या 15" तथा "आयोजनेता" शब्द साथ लिया जाय अन्यथा महालेखाकान्तर कार्यालय में सही दुष्क्रिय में बाधा होगी।
5. संलग्नक में वर्णित धनराशि का समय से उपयोग करने के लिए मह गी सुनिश्चित करें कि धनराशि परिधिगत अधिकारियों को तत्त्वात् अवमुक्त वर्त दी जाय। आवेदन एवं व्यापिकता से शासन को भी अवगत कराया जाय।
6. वित्तीयवर्गता के सम्बन्ध में नियमों का कठाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
7. अप्रयुक्त धनराशि वित्तीय हस्तापुरितका एवं वज्रट मैनुअल के प्राविधिकानों के अन्तर्गत समय सारिणी के अनुसार समर्पित किया जाना सुनिश्चित किया जाय।

8. यदि किसी अधिकारी/योजनाओं के अन्तर्गत उत्तिरिक्त धनराशि वा आवश्यकता हो, तो आतेरिक्त धनराशि की मांग का औचित्यपूर्ण प्रस्ताव शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।
9. उपर्युक्त निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन अपने एवं अधीनस्थ रत्तों पर भी सुनिश्चित करें।
10. समस्त चालू निर्माण कार्य, नये निर्माण कार्य, उपकरण व संयंत्र का क्रय, याहन का ग्राह शासन को पृथक से उपलब्ध करायें।
11. वी0-स0-13 पर संकलित मासिक सूचनाएं विभिन्न रूप से शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।
12. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2006-07 के आय-व्ययक की "अनुदान संख्या-15" के अन्तर्गत संलग्न तालिका में उल्लिखित लेखाशीधक की सुसंगत मर्दों के नामे डाला जायेगा।
13. मानक मद-12 एवं 26 के लिए बूटोर-परवेज नियमों व आईटी. विभाग के शासनादेश में जारी दिशा निर्देशों के अनुकूप व्यय की जायेगी।
14. यह आदेश वित्त विभाग के अंशासकीय संख्या: 354/XXVII-3/2006 दिनांक 02 अगस्त, 2006 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक : यथोपरि।

भवतीय,

(राधा रत्नौड़ी)
सचिव।

संख्या 209 (1)/XVII (1)-3/06-09(25)/2006 तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. निजी सचिव, मा० मुख्यमंत्री उत्तराचल।
2. निजी सचिव, मुख्य सचिव उत्तरांचल शासन।
3. महालेखाकार, उत्तराचल, देहरादून।
4. मण्डलायुक्त, गढ़वाल/कुमौर, उत्तरांचल।
5. निदेशक, कोधागार एवं वित्त रोपां उत्तरांचल, देहरादून।
6. वरिष्ठ कोधाधिकारी, देहरादून।
7. समस्त जिला राजिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी, उत्तरांचल।
8. वित्त (व्यय नियन्त्रण) अनुमान-3, उत्तरांचल शासन।
9. विजट राजकोषीय नियोजन व संसाधन निदेशालय, उत्तरांचल राजिकालय देहरादून।
10. राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, उत्तरांचल सचिवालय परिसर, देहरादून।
11. समाज कल्याण नियोजन प्रकोष्ठ, उत्तरांचल देहरादून।
12. विभागीय आदेश पुस्तिका।

आड़ा से,

(चंद्रा शुक्ला)
अम्पर सचिव।

राजसनादेश संख्या— / XVII (1)-3/06-09(25)/2006 दिनांक 3 अगस्त 2006 का राजसनादेश
अनुदान संख्या-15

आयोजनेत्तर

मतदेय

लेखाशीर्षक
मुख्य शीर्षक
उप मुख्य शीर्षक
लघु शीर्षक
उप शीर्षक
व्योरेवार शीर्षक

2235-60-200-03-01

2235-सामाजिक सुरक्षा तथा कल्याण
60-सामाजिक सुरक्षा तथा कल्याण कार्यक्रम
200-अन्य कार्यक्रम
03-सैनिक कल्याण -
01-सैनिक मुख्यालय

मानक नम्बर	पन्नराशि हजार रुपये में
12-कायात्तिय कलनशिर एवं उपकरण	आवंटित पन्नराशि
15-गाडियो कम अनुसंधान एवं पेट्रोल आदि की खारीद	100
26-मरीने ओर सज्जा/उपकरण और संयन्त्र	100
योग	300

(रुपये तीन लाख मात्र)

(राधा रत्नाली)
प्रमिल